देशभर में मानसून की मार से शहर हुए पानी-पानी

- हिमाचल से मुंबई तक बाढ़ जैसे हालात
- कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, 04 जुलाई. देशभर में लगातार हो रही बारिश ने कई राज्यों में बाढ़ और जलप्रलय जैसे हालात पैदा कर दिए हैं. पहाड़ी इलाकों में बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं, जबकि मैदानों और महानगरों में जलभराव से जनजीवन प्रभावित है.

हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर बादल फटने की घटना सामने आई, जिससे अचानक आई बाढ़ और मलबे में कई वाहन दब गए. कई सड़कें बंद हो गई हैं और राहत-बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों में तैनात हैं. जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में लगातार बारिश के कारण नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ गया है. कई पहाड़ी मार्ग भूस्खलन की वजह से बाधित हैं और संवेदनशील इलाकों में लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है. मुंबई और कोंकण क्षेत्र में लगातार बारिश से जलप्रलय जैसे हालात बन गए हैं. महज पांच घंटे में करीब 70 मिमी बारिश दर्ज होने से कई सड़कें पानी में डूब गईं, निचले इलाकों में जलभराव हो गया और लोकल यातायात प्रभावित हुआ. गुजरात के कई जिलों में नदियां उफान पर हैं. भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया है और प्रशासन ने कई स्थानों पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया है. ओडिशा में लगातार बारिश से कई नदियों का जलस्तर बढ़ गया है. मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों में भी अति भारी बारिश दर्ज की गई है. कई ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क प्रभावित हुआ है और नदी-नाले उफान पर हैं. पूर्वी राजस्थान, असम, नागालैंड, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक के कई इलाकों में भी भारी बारिश दर्ज की गई है.

> गुजरात के जूनागढ़ और भरूच जिलों में मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है. जहां जूनागढ़ के मांगरोल में पिछले दो दिनों में रिकॉर्डतोड़ बारिश के कारण सोमनाथ नेशनल हाईवे का एक बड़ा हिस्सा टूट गया है, वहीं भरूच के वालिया में महज दो घंटे की आफत ने एक पूरे गांव को टापू में तब्दील कर दिया. दोनों ही जगहों पर प्रशासन अलर्ट पर है और युद्धस्तर पर राहत कार्य चलाए जा रहे हैं. मांगरोल इलाका इस समय भीषण जलप्रलय का सामना कर रहा है. यहां महज दो दिनों के भीतर 35 से 40 इंच तक मूसलाधार बारिश दर्ज की गई है, जिससे पूरे क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं. मांगरोल में हुई 20 इंच की एकमुश्त भारी बारिश के दबाव को बुनियादी ढांचा झेल नहीं पाया.

ममता बनर्जी खुद बनीं टीएमसी अध्यक्ष

कोलकाता, 04 जुलाई. पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय अपने सबसे बड़े ऐतिहासिक और अभूतपूर्व दौर से गुजर रही है. मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों और सत्ता गंवाने के बाद से ही तृणमूल कांग्रेस के भीतर छिड़ा अंदरूनी घमासान अब बिल्कुल चरम पर पहुंच गया है.

शनिवार को कोलकाता में टीएमसी की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता बनर्जी ने एक ऐसा चौंकाने वाला और गजब का ऐलान कर दिया, जिसने सूबे की पूरी सियासत को हिलाकर रख दिया है. ममता बनर्जी ने साफ शब्दों में घोषणा की है कि अध्यक्ष होने के नाते वे आज से खुद पश्चिम बंगाल राज्य टीएमसी अध्यक्ष का पदभार भी संभालेंगी. ममता ने पार्टी के दो सबसे आक्रामक और वफादार चेहरों मदन मित्रा और कुणाल घोष को राज्य कमेटी में शामिल करते हुए सीधे जनरल सेक्रेटरी जैसी बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी है. इस बड़े फैसले के बाद राजनीतिक पंडितों का मानना है कि ममता बनर्जी ने विरोधियों और पार्टी के भीतर पनप रहे बागी सुरों को कुचलने के लिए सीधे कमान अपने हाथों में ले ली है. ममता का यह फैसला अचानक नहीं आया है, बल्कि इसके पीछे पिछले 24 घंटों में हुआ हाई-वोल्टेज ड्रामा है.

चंद्रिमा भट्टाचार्य ने छोड़ी जिम्मेदारी

पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बनर्जी को एक और बड़ा झटका लगा है. दरअसल एक दिन पहले ही ममता बनर्जी के पार्टी ऑफिस पर बागी गुट ने कब्जा कर लिया था और आज टीएमसी की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देने का एलान कर सभी को चौंका दिया.

विदाई यात्रा शुरू

खामेनेई की विदाई में गूंजे बदले के नारे

तेहरान, 04 जुलाई. ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार को पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में अभूतपूर्व भीड़ देखने को मिली. ग्रैंड मोसल्ला परिसर और आसपास की सड़कों पर लाखों लोग जुटे.

शोक में डूबे लोग काले वस्त्र पहनकर पहुंचे और शिया परंपरा के अनुसार छाती पीटते हुए मातम मनाया. इस दौरान अमेरिका और इजराइल के खिलाफ नारेबाजी भी हुई. भीड़ में 'खून बहेगा', 'बदला, बदला' और 'अमेरिका मुर्दाबाद' जैसे नारे लगातार सुनाई दिए.

खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़ी धार्मिक और राजकीय रस्में 3 जुलाई से शुरू होकर 9 जुलाई तक चलेंगी. शुक्रवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय श्रद्धांजलि समारोह में 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. हालांकि भारत, रूस, चीन और तुर्किये सहित कई प्रमुख देशों ने अपने शीर्ष नेताओं को नहीं भेजा और उनकी ओर से निचले स्तर के प्रतिनिधि शामिल हुए. इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान ने अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी. ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका ने मानवीय आधार पर ईरान को अंतिम संस्कार की रस्में पूरी करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है. उन्होंने यह भी कहा कि रस्में समाप्त होने के बाद ईरान को अमेरिकी शर्तों पर निर्णय लेना होगा. दूसरी ओर, ईरान में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है.

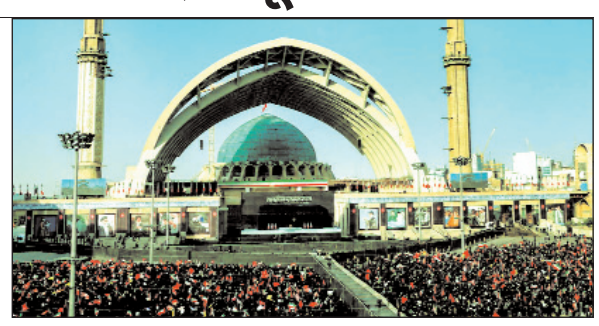

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले पीएम मोदी को धमकी

नई दिल्ली/कैनबरा, 4 जुलाई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित ऑस्ट्रेलिया यात्रा से पहले सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं, क्योंकि सोशल मीडिया

धमकी मामले की जांच में जुटी ऑस्ट्रेलियाई पुलिस

पर एक पोस्ट के कमेंट में उन्हें कथित रूप से जान से मारने की धमकी दी गई है.

यह मामला ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री के शामिल होने की संभावना है.

कथित तौर पर यह कमेंट अबू मुस्तफा नाम के फेसबुक अकाउंट से किया गया था, जिसमें लिखा गया कि यदि कार्यक्रम के दौरान स्टेडियम की छत बंद नहीं रखी गई, तो प्रधानमंत्री को नुकसान पहुंचाया जा सकता है. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित सोशल मीडिया अकाउंट से जुड़े एड्रेस की पहचान किए जाने की भी जानकारी सामने आई है.

डिप्टी सीएम शिंदे अस्पताल में भर्ती

मुंबई, 04 जुलाई. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें ठाणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. शुरुआती मेडिकल जांच के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत स्थिर बताई है और कहा है कि उन्हें निगरानी में रखा गया है. शुक्रवार को महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र चल रहा था. इसी दौरान एकनाथ शिंदे को तेज बुखार और काफी कमजोरी महसूस हुई थी. शुरुआत में उन्होंने अपना आधिकारिक काम जारी रखा, लेकिन कुछ समय बाद तबीयत और खराब होने पर उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया.

उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली, 04 जुलाई। उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े कथित साजिश मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। कड़कड़डूमा कोर्ट ने उनकी दूसरी जमानत याचिकाओं को भी खारिज कर दिया है, जिससे साफ हो गया है कि दोनों फिलहाल जेल से बाहर नहीं आ पाएंगे.

दोनों आरोपियों ने अपनी याचिका में यह तर्क दिया था कि वे पिछले करीब छह वर्षों से न्यायिक हिरासत में हैं और मामले की सुनवाई में अपेक्षित तेजी नहीं आई है. उन्होंने यह भी कहा था कि लंबे समय तक जेल में रहना उनके मौलिक अधिकारों पर असर डाल रहा है और इस आधार पर उन्हें जमानत मिलनी चाहिए. हालांकि अदालत ने इन सभी दलीलों को स्वीकार नहीं किया. यह भी उल्लेखनीय है कि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 5 जनवरी 2026 को उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया था.

एक नजर में

टैक्स वसूली पर राहुल का बड़ा तंज

नई दिल्ली. देश में राष्ट्रीय राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और अन्य प्रमुख सड़कों पर लगातार सामने आ रही सड़क धंसने की घटनाओं को लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि जनता से लगातार टैक्स वसूला जा रहा है, लेकिन सुरक्षित और टिकाऊ बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी कोई नहीं ले रहा. राहुल गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें विभिन्न राज्यों की सड़क धंसने की घटनाएं दिखाई गई हैं. वीडियो में कहीं लोग सड़क टूटने से गिरते नजर आते हैं, तो कहीं वाहन बड़े गड्ढों में फंसे दिखाई देते हैं. इन घटनाओं का हवाला देते हुए राहुल गांधी ने लिखा, 'कहीं कोई जिम्मेदारी ही नहीं है. सड़कें धंसती रहेंगी, जानें जाती रहेंगी, मोदी सरकार टैक्स वसूलती रहेगी.

हस्तियों के ट्वीट

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि श्री राम मंदिर में हुई चंदे की चोरी से देश बहुत आहत है. आज गोवा में श्री हनुमान जी के मंदिर में हमने दर्शन किए और सबने मिलकर प्रार्थना की. श्री राम मंदिर में जिन-जिन पापियों ने घोटाले किए, उन पापियों को बचाने वालों को, सख्त से सख्त सजा मिले.

भाजपा के वरिष्ठ नेता, राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने सोशल मिडिया एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा बहुत अफवाएं फैलाई गई, लोगों को डराया गया, भड़काया गया, राजनीति के खेल खेले गए. लेकिन जिनके इरादे गलत थे, वो सफल नहीं हो पाए. दूर-सुदूर इलाकों में भी छोटी मोटी अड़चनों के अलावा ईंधन सप्लाई में कोई बड़ी चुनौती नहीं आई.

ताज महल नहीं तेजो महालया

हाई कोर्ट करेगा सुनवाई

लखनऊ, 04 जुलाई. आगरा स्थित विश्व प्रसिद्ध ताजमहल को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद ने एक बार फिर नया कानूनी मोड़ ले लिया है. ताजमहल को 'भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान तेजो महालय मंदिर' होने का दावा करने वाले पक्ष ने अब इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर की है.

इस याचिका में ताजमहल परिसर का वैज्ञानिक सर्वे कराने और इसके लिए अदालत से सर्वे कमिश्नर नियुक्त करने की मांग की गई है. याचिकाकर्ताओं का कहना है कि विवाद से जुड़े तथ्यों का निष्पक्ष और वैज्ञानिक तरीके से परीक्षण होना चाहिए, ताकि अदालत के सामने वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके. उनका दावा है कि इस संबंध में मुख्य दीवानी मुकदमा वर्ष 2015 से आगरा की सिविल कोर्ट में लंबित है और मामले के उचित निस्तारण के लिए सर्वे जरूरी है. इससे पहले आगरा की जिला अदालत और सिविल जज (सीनियर डिवीजन) ने एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने की मांग वाली अर्जी को खारिज कर दिया था.

ताजमहल सर्वे की मांग पर नई याचिका

आज का इतिहास

1658 – मुगल शासक औरंगजेब ने अपने बड़े भाई मुराद बख्श को बंदी बनाया.
1811– वेनेजुएला के सात प्रांतों ने स्पेन के शासन से स्वतंत्रता की घोषणा की.
1922– नीदरलैंड में पहली बार आम चुनाव हुए.
1935– फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने अमेरिका के नेशनल लेबर रिलेशंस कानून पर हस्ताक्षर किए।
1950 – नये कानून के तहत सभी यहूदियों को इजरायल में रहने की अनुमति दी गयी।
1954 – बीबीसी ने अपने पहले टीवी समाचार बुलेटिन का प्रसारण किया।
1959 – इंडोनेशिया में संविधान बहाल किया गया।

बाबा बर्फानी के दरबार पहुंचेगा दूसरा जत्था

श्रीनगर, 04 जुलाई. अमरनाथ यात्रा के दूसरे दिन शुक्रवार को 3,865 श्रद्धालुओं के दूसरे जत्थे को भगवती नगर बेस कैम्प से दक्षिण कश्मीर स्थित बालटाल और पहलगाम के लिए रवाना किया गया. तीर्थयात्रियों का दूसरा जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से सुरक्षा घेरे में 2 काफिलों में रवाना हुआ.

जम्मू से 3,865 श्रद्धालुओं का काफिला रवाना

बालटाल रूट के लिए 1,735 तीर्थयात्री सुबह 3.13 बजे रवाना हुए जबकि पहलगाम रूट की ओर जाने वाले 2,130 तीर्थयात्री सुबह 3.38 बजे निकले, जिससे दूसरे जत्थे की कुल संख्या 3,865 हो गई. इस जत्थे में 2,965 पुरुष तीर्थयात्री, 618 महिलाएं, 230 साधु, 48 साध्वियां और 4 बच्चे शामिल हैं.

तीर्थयात्री 201 वाहनों में यात्रा कर रहे हैं जिनमें 83 बसें, 14 मीडियम मोटर वाहन और 104 लाइट मोटर वाहन शामिल हैं. कुल 115 वाहन बालटाल जाने वाले काफिले का हिस्सा हैं, जबकि 86 वाहन पहलगाम बेस कैंप की ओर निकले. वहीं दक्षिण कश्मीर में स्थित बालटाल व पहलगाम-नुनवान बेस कैम्पों से शुक्रवार को अमरनाथ यात्रियों के पहले जत्थे को तड़के रवाना किया गया.

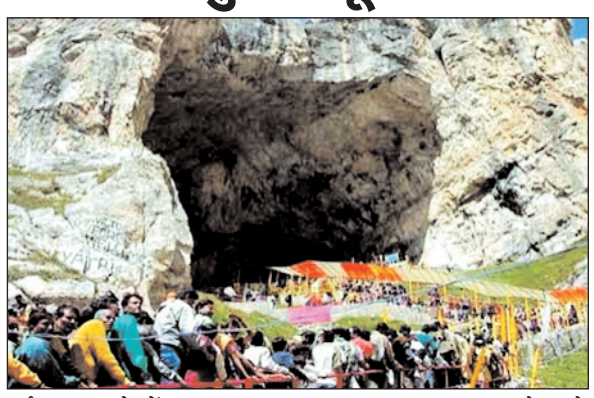

एसबीआई लाइफ-आईआईटी बॉम्बे में एमओयू

मुंबई, 04 जुलाई देश की सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे (आईआईटी बॉम्बे) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इसके तहत 'बीमा क्षेत्र के लिए भारत का एआई एवं साइबर इनोवेशन हब' (भारत इनोवेशन हब) स्थापित किया जाएगा। यह एक संयुक्त अनुसंधान एवं नवाचार केंद्र होगा, जिसका उद्देश्य बीमा क्षेत्र के लिए भारत की अपनी उन्नत तकनीक आधारित साइबर सुरक्षा प्रणालियाँ विकसित करना है। समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे के अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) डीन प्रो. एस. वी. कुलकर्णी और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य सूचना एवं डिजिटल अधिकारी विशाल भाटिया ने किए।

इस अवसर पर प्रो. शिरीष बी. केदारे, निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे; अभिजीत गुलानिकर, प्रेसिडेंट-ऑपरेशंस एवं आईटी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस; सुभेंदु बाल, प्रेसिडेंट- मुख्य जोखिम अधिकारी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस; बालाजी वेंकटेश्वर, प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बे सहित कई अन्य सम्मानित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

पति की हत्या मामले में पत्नी गिरफ्तार

नागपुर, 04 जुलाई. नागपुर पुलिस ने भांडेवाड़ी इलाके में एक 45 वर्षीय व्यक्ति की हत्या मामले में उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया है. पत्नी ने लंबे समय से चले आ रहे घरेलू विवादों के कारण पति को रास्ते से हटाने के लिए सुपारी दी थी. मृतक गणेश बोरकर पर दो जुलाई की रात भांडेवाड़ी के पास उस समय धारदार हथियारों से हमला किया गया था, जब वह चाय की दुकान से घर लौट रहे थे. उनकी मौके पर ही मौत हो गयी थी. पुलिस ने शनिवार को बताया कि इस साजिश में शामिल दो अन्य लोगों की तलाश शुरू कर दी है, जबकि मृतक की पत्नी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

भारती एयरटेल ने अमरनाथ यात्रा के लिए मजबूत की कनेक्टिविटी

जम्मू/श्रीनगर, 04 जुलाई भारती एयरटेल ने आज अमरनाथ यात्रा मार्ग पर अपने मोबाइल नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की है। इस पहल से क्षेत्र में तीर्थयात्रियों, सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय प्रशासन के लिए कनेक्टिविटी को और मजबूत किया गया है।

बालटाल में अपनी मौजूदा उपस्थिति के अलावा, एयरटेल ने चंदनवाड़ी, पिस्सू टॉप और बेताब घाटी में नेटवर्क साइटस तैनात कर महत्वपूर्ण पहलगाम मार्ग पर नेटवर्क कवरेज स्थापित किया है। इसके साथ ही पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर तक जाने वाले मार्ग पर निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई गई है।

> जम्मू-कश्मीर में भारती एयरटेल के सीओओ, विक्रम आरएस, ने कहा, 'एयरटेल में हम सबसे चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों में भी लोगों, समुदायों और आवश्यक सेवाओं को निर्बाध रूप से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमरनाथ यात्रा के लिए पहलगाम और बालटाल, दोनों मार्गों पर हमारे नेटवर्क का विस्तार जम्मू-कश्मीर में हमारे निरंतर निवेश का प्रमाण है।

समीक्षा | अश्विनी वैष्णव ने विकास परियोजनाओं की समीक्षा की

अहमदाबाद में रेलवे विकास को मिली नई दिशा

अहमदाबाद, 04 जुलाई। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार गुजरात, विशेषकर अहमदाबाद, को विश्वस्तरीय रेलवे और परिवहन सुविधाओं से जोड़ने के लिए तेजी से कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। वर्ष 2027 में सूरत-बिलिमोरा सेक्शन पर हाईस्पीड रेल सेवा शुरू करने की योजना है, जिसके बाद इसे क्रमिक रूप से पूरे कॉरिडोर तक विस्तारित किया जाएगा। इससे यात्रियों का सफर तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक बनेगा.

बैठक में अहमदाबाद शहर की पांच प्रमुख विकास परियोजनाओं पर विशेष निर्णय लिए गए. ओमनगर रेलवे ओवरब्रिज के शेष कार्य को आगामी नवरात्रि से पहले पूरा करने के निर्देश दिए गए, ताकि स्थानीय लोगों को लंबे समय से चल रही यातायात समस्या से राहत मिल सके. असारवा रेलवे स्टेशन के व्यापक पुनर्विकास के लिए तैयार मास्टर प्लान को भी आगे बढ़ाने पर सहमति बनी. इसके तहत आधुनिक स्टेशन भवन, बेहतर यात्री सुविधाएं, नया डीआरएम कार्यालय और आसपास के रेलवे क्षेत्र का समग्र विकास किया जाएगा, जिससे यह एक आधुनिक टर्मिनल के रूप में विकसित हो सके. अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के अंतर्गत सारंगपुर की ओर दूसरा प्रवेश द्वार और बेहतर सड़क संपर्क विकसित करने का भी निर्णय लिया गया. इससे स्टेशन तक पहुंच आसान होगी और आसपास के क्षेत्रों के विकास को भी गति मिलेगी. शाहपुर-अहमदाबाद फ्लाईओवर परियोजना से जुड़े पुरातात्विक और स्मारक संरक्षण संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए केंद्र सरकार स्तर पर समन्वय बढ़ाने का निर्णय लिया गया.

> केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन सभी परियोजनाओं के पूरा होने से अहमदाबाद की परिवहन व्यवस्था अधिक आधुनिक होगी, यात्रियों की सुविधाएं बढ़ेंगी और शहर के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी. वहीं साणंद में तीसरे सेमीकंडक्टर प्लांट के उद्घाटन को उन्होंने भारत को वैश्विक तकनीकी विनिर्माण केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया.

करुण्या यूनिवर्सिटी ने छात्रों को दी नई उड़ान

33वें दीक्षांत समारोह में डिग्रियां प्रदान

कोइम्बटोर, 04 जुलाई. करुण्या यूनिवर्सिटी के 33वें दीक्षांत समारोह की शुरुआत करुण्या प्रार्थना गीत से हुई. इसके बाद कुलपति प्रो. डॉ. एलिजाह ब्लेसिंग ने अतिथियों, विद्यार्थियों और अभिभावकों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की. उन्होंने बीते शैक्षणिक वर्ष के दौरान शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, उद्योग सहयोग और विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उल्लेख किया.

आर. वेलुसामी को मिला मानद डॉक्टरेट सम्मान

मुख्य अतिथि आर. वेलुसामी ने अपने दीक्षांत भाषण में छात्रों को जीवनभर सीखते रहने, नई तकनीकों को अपनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाला नेतृत्व विकसित करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि भारत को केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर तकनीक का निर्माता बनना होगा. उन्होंने ईमानदारी, करुणा, निरंतर सीखने और दृढ़ संकल्प को सफल जीवन की बुनियाद बताया. चांसलर डॉ. पॉल दिनाकरन ने कहा कि यह उपलब्धि वर्षों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने छात्रों को केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं, बल्कि मजबूत नैतिक मूल्य और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी दी है.